शिक्षा जगत में हिंदी विश्वविद्यालय की नई पहल

आगामी शैक्षणिक सत्र से बी.एड.एम.एड. एकीकृत तथा एम.एड. पाठ्यक्रम को मिली मान्यता

वर्धा दि. 17 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को अगले शैक्षणिक सत्र 2016-17 से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई.) द्वारा बी.एड.-एम.एड. (एकीकृत) तथा एम.एड. की मान्यता दे दी गई है। बी.एड.-एम.एड.(एकीकृत) पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष तथा एम.एड. की दो वर्ष है। भारत में बी.एड.-एम.एड.(एकीकृत) पाठ्यक्रम की यह पहली सौगात सौभाग्य से हिंदी विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। इसके पहले हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ में पूर्व से ही चल रहे बी.एड. तथा एम.ए शिक्षाशास्त्र की सफलता के बाद विश्वविद्यालय तथा वर्धा में आये नये पाठ्यक्रमों से हर्ष का माहौल बना हुआ है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिन्द कुमार झा से ने बताया कि हमारे पास शिक्षा विद्यापीठ में इन तमाम पाठ्यक्रमों को संचालित करने हेतु पर्याप्त साधन पहले से ही उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सुयोग्य शिक्षकों को नियुक्त किया है। हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ ने इस बात का खास ध्यान रखा है कि उनके विद्यार्थी जो आगे चलकर शिक्षक की भूमिका में आने वाले हैं, उन्हे पुस्तकालय, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, प्रर्दशन कला प्रयोगशाला का भरपूर लाभ मिल सके। उनके व्यक्तित्व निर्माण हेतु विद्यापीठ ने विभिन्न क्रियाकलापों जैसे अभिव्यक्ति, पुस्तक-विमर्श, पहल, विचार वृन्द, अंकुर (भित्तिपत्रिका) नृसर्ग आदि के साथ-साथ संपर्क, संवाद और सृजन के फलक पर शिक्षकों के व्यक्तित्व में नया आयाम देने का प्रयास किया जाता है। आने वाले पाठ्यक्रमों का प्रारंभ और उसके प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर शीघ्र ही अपलोड कर दिया जाएगा।

हिंदी विश्वविद्यालयात आगामी शैक्षणिक सत्रापासून

बी.एड.एम.एड. एकीकृत तथा एम.एड. अभ्यासक्रमाला मान्यता

वर्धा दि. 17 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात आगामी शैक्षणिक सत्र 2016-17 पासून राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षण परिषद (एन.सी.टी.ई.)ने बी.एड.-एम.एड. (एकीकृत) तथा एम.एड. अभ्यासक्रम सुरू करण्याला मान्यता दिली आहे. बी.एड.-एम.एड.(एकीकृत) तीन वर्ष तर एम.एड. दोन वर्षाचा असेल. संपूर्ण देशातून हा अभ्यासक्रम सुरू करण्याची संधी हिंदी विश्वविद्यालयाला मिळाली आहे, हे विशेष. शिक्षा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अरबिन्द कुमार झा

यांनी सांगितले की अभ्यासक्रम चालविण्यासाठी संसाधन उपलब्ध असून विद्यार्थ्यांसाठी ग्रंथालय, कम्प्यूटर, मनोविज्ञान, भाषा आणि प्रर्दशन कला प्रयोगशाळा सज्ज आहेत. अभ्यासक्रमाविषयीची सविस्तर माहिती लगेच वेबसाइट वर उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे असेही ते म्हणाले.

The NCTE Grants M.Ed. and B.Ed.-M.Ed. Integrated Courses to Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

The Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha (MGAHV) has been granted recognition of 2-years M.Ed. and 3-Years Integrated B.Ed.-M.Ed. programmes by the National Council for Teacher Education from session 2016-17. At present, the School of Education of the University is offering 2-years B.Ed., 2-years M.A. in education, M.Phil. in Education and Ph.D. in Education programmes. Prof. Arbind Kumar Jha, Dean – School of Education, MGAHV, Wardha told that the MGAHV is the first Central University having been granted the 3-years integrated B.Ed.-M.Ed. programme as this programme has been introduced by the NCTE for the first time through the latest NCTE Regulations – 2014. He said that the University is fully prepared to conduct all the programmes and will always be making efforts to disseminate teacher education for wider outreach and for the larger benefits of the society. He said that the School of Education of the MGAHV, Wardha is fully equipped with all the necessary academic and physical infrastructures like well equipped state-of-the-art ICT resource centre and educational technology lab., science lab., psychology lab., library with advanced software as well as books and journals of national and international repute. The University has also appointed qualified and experienced faculty for imparting quality education to the students. The School of Education of MGAHV is taking special care for all round development of the prospective teachers who join various teacher education programmes of this University, through various activities like ‘Abhivyakti’, ‘Pustak-Vimarsh’, ‘Pahal’, ‘Vichar Vrind, ‘Ankur (Bhitti Patrika)’, ‘Nisarg’, etc. Apart from these, the School of education is making sincere efforts to shape and nurture personality of students by enriching and adding value based dimensions through various platforms of creative expressions like ‘Sampark’, ‘Samvaad’, ‘Srijan’, etc. The details regarding courses offered by the School of Education, MGAHV, wardha and admission process will be uploaded on the University website soon.